पंजीकृत क्रमांक : S-385/1949-50

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

केंद्रीय कार्यालय : 3, मार्बल आर्च, सेनापति बापट मार्ग, माटुंगा रोड (प.रे.), माहिम, मुंबई - 400016

+91 22 24306321/24378866 24313938 abvpkendra@gmail.com www.abvp.org

दि. 11 नवम्बर 2026

-: प्रेस विज्ञप्ति :-

एनआरआई स्पॉन्सर्ड इवेंट के नाम पर एनएसयूआई पदाधिकारी द्वारा आकर्षक देह और अच्छी बनावट वाली छात्राओं की मांग, पैसे का प्रलोभन देकर भेजने का मामला; संभावित देह व्यापार एवं संगठित अपराध की NIA जांच आवश्यक: अभाविप

रामानुजन कॉलेज के एनएसयूआई उपाध्यक्ष अनस खान कॉलेज प्रशासन द्वारा निलंबित; महिला अधिकारों की बात करने वाली कांग्रेस का दोहरा चरित्र उजागर: अभाविप

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज के एनएसयूआई उपाध्यक्ष अनस खान से जुड़े छात्राओं को पैसे एवं अन्य सुविधाओं का प्रलोभन देकर एनआरआई पुरुषों के साथ भेजने तथा एनआरआई स्पॉन्सर्ड इवेंट के नाम पर संपर्क स्थापित करने से संबंधित सामने आए संदेशों को अत्यंत गंभीर मानती है। इन संदेशों में छात्राओं की शारीरिक बनावट और आकर्षक व्यक्तित्व के आधार पर चयन किए जाने की बातें भी सामने आई हैं। इस प्रकरण में कॉलेज प्रशासन द्वारा अनस खान को निलंबित किया जा चुका है। छात्राओं को आर्थिक प्रलोभन देकर इस प्रकार की गतिविधियों में शामिल करने का मामला संभावित देह व्यापार और मानव तस्करी जैसे संगठित अपराधों से जुड़े नेटवर्क की आशंका पैदा करता है। अभाविप मांग करती है कि इस पूरे प्रकरण की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) से व्यापक जांच कराई जाए, ताकि एनआरआई संपर्कों, आर्थिक लेन-देन और संभावित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की भूमिका का पर्दाफाश हो सके।

यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले माह एनएसयूआई से जुड़े व्यक्तियों द्वारा एक कार्यक्रम के लिए लड़कों को ले जाने से संबंधित इसी प्रकार की चैट सामने आई थी। लगातार सामने आ रहे ऐसे प्रकरणों से यह गंभीर सवाल उठता है कि क्या एनएसयूआई के कार्यक्रमों और आयोजनों के पीछे आर्थिक प्रलोभन एवं संदिग्ध नेटवर्क की कोई व्यवस्था काम कर रही है? वर्ष 2018 में एनएसयूआई के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष फिरोज खान पर संगठन की ही एक महिला पदाधिकारी ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे, जिसके बाद उन्हें पद से इस्तीफा देना पड़ा था। एक ओर राहुल गांधी और कांग्रेस महिला अधिकारों तथा पितृसत्तात्मक व्यवस्था के विरुद्ध बड़े-बड़े भाषण देते हैं, वहीं दूसरी ओर उनके संगठन से जुड़े ऐसे प्रकरण कांग्रेस के महिला सुरक्षा संबंधी दावों पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हैं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा, "महिला अधिकारों और समानता की बात करने वाली कांग्रेस को पहले अपने ही छात्र संगठन में महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने की जवाबदेही लेनी चाहिए। एनएसयूआई में सामने आ रहे ऐसे गंभीर प्रकरण उसके संगठनात्मक चरित्र और जवाबदेही पर सवाल खड़े करते हैं। इस मामले में एनएसयूआई द्वारा संबंधित पदाधिकारी को हटाए जाने का दावा करते हुए पूर्व दिनांकित पत्र जारी किया गया है, जबकि संबंधित व्यक्ति के सोशल मीडिया स्टेटस में व्यक्तिगत कारणों से स्वयं इस्तीफा देने की बात प्रदर्शित की गई है। यह विरोधाभास संगठन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। कभी पूरी कार्यकारिणी को हटाने और कभी गंभीर आरोपों के बीच पदाधिकारी के इस्तीफे को लेकर अलग-अलग दावे करने वाली कांग्रेस आखिर जवाबदेही से कब तक बचती रहेगी? अभाविप मांग करती है कि इस पूरे प्रकरण की NIA से जांच कराई जाए, जिससे संभावित मानव तस्करी, देह व्यापार और एनआरआई नेटवर्क से जुड़े सभी पहलुओं का पर्दाफाश हो तथा दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

(यह प्रेस विज्ञप्ति केन्द्रीय कार्यालय मंत्री श्री अनूप सिंह द्वारा जारी की गई है।)